दिनांक 27 मार्च, 1987

सं० ओ. वि/रोह/42-87/12609.--चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० में हन्दीरता इंजिनियरिंग कारपोरें शन, पुरानी इंप्डर्ट्ट दल एरिया, दहादुरगढ़ (रेहतक), के श्रीरक भी राम नाथ, पुत्र श्री मैंय राम, माफंत झार एस. यादव, प्रधान भारतीय मजदूर संघ, रेलवे रोड़, काठ मंडी, बहादुरगढ़ (रोहतक) तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामलें में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ं श्रीर चुं कि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते है;

इसलिए, ग्रब, ग्रोद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ग) हारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके हारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारों ग्रिधिसूचना को धारा 7 के ग्रधोन गठित श्रम न्यायालय रोहतक को विवादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नोचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बोच या तो विवादप्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित है:—

क्या श्रोराम नाथ को सेवाओं का समापन न्यायौचित तथा ठोक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० मो० वि०/रोह०/41-87/12616.— चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राध है कि मैं० न्यू टायर सोल कम्पनी, एम.आई.ई., बहादुरगढ़, के श्रीमक श्री राम किशोर यादव, मार्फत श्री श्रार.एस., यादव, प्रधान, भारतीय मजदूर संघ, रेलवे रोड़, काठ मंडी, बहादुरगढ़ (रोहतक) तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इस में इसके बाद लिखित मामले में कोई प्रौद्योगिक विवाद है;

भोर चूंकि राज्यपाल हरियाणा के इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निादध्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना से 9641-1-अम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित थम न्यायालय, रोहतक, का विवाद प्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बंधित नाचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते है जोकि उकत प्रबन्धको तथा श्रमिक के बंच या ता विवाद प्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित है:—

नया श्री राम किशोर यादव की सेवाओं का समापन न्यार्थाचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं भो वि रोह/38-87/12623.--वृकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मं (1) दी रोहतक अशोका थियेंटर प्रा लि , रोहतक, (2) आर.आर. इंटर्जाइजिंब, लिसा, मार्फेड भारत ट्रेक्टरज, पुराना किला राइ, राहतक, के श्रिमिक श्री सुच्चा राम, कच्चा बेरा राइ, निकट चारा मडा, रोहतक तथा उसक प्रबन्धकों के बाच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई मौद्योगिक विवाद है;

मोर चिक हरियाणा के राज्यपाल स विवाद को न्यायनिर्णय हुंतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते है;

इसलिये, अब, अौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ग) द्वारा प्रदान का गई मिन्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 9641-1-श्रम/78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी अधिसूचना का धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, का बिबादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिन्ग्य एवं पचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं जो कि उनत प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बोच या ता विवादग्रस्त मामला है या उनत विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धत है:—

क्या श्री सुच्चा राम की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?